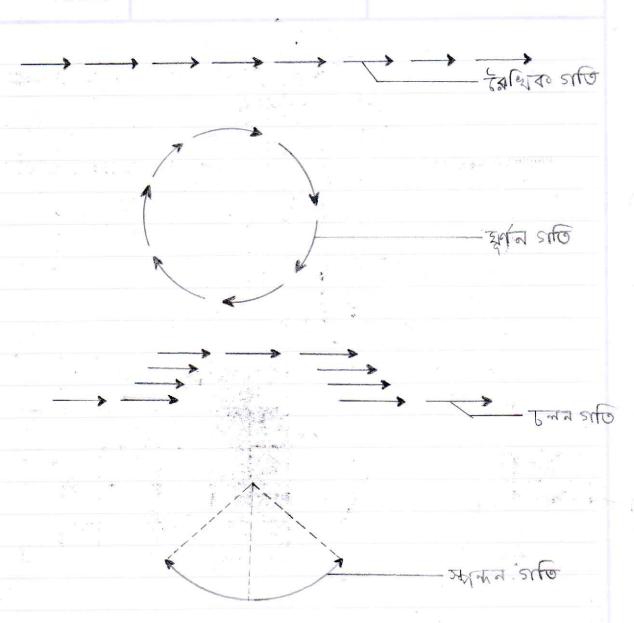
NAME OF THE EXPERIMENT: :.ON ASSIST



ভিত্র: বিভিন্ন প্রবলর প্রতির মডেল



NAME OF THE EXPERIMENT: সুকার সভির মডেল প্রচের

EXPT. NO.: 8

PAGE NO .:

DATE: 3/6/2028

उपारं शिक्षार्थित्य क्षिकालिया कार्यक्षित्र याद्या विवित्र अकारं शिव्य यिएन खिनक्ति कहा एवर मिक्ससूद्र प्रार्थका उपारं कार्यन

ण्युः

लुद्गाडा नीय छेलक्ड्नः

ठ। नम् प्रि

31 हिंदिल्य श्रुण वा ह्रेन

The state of the s

# PIGURE NO.: : TRAMINAGES AHT TO AMAR

EXPT. NO.:

PAGE NO.:

DATE:

কাড়োর সারা:

तक हमारि या ग्राष्ट्रिक रिमारी हिमारी हिमारी यहिं

२। पश्चन त्माका प्रिय प्रांहित कार्य कार्य प्रिस्त त्मीए अपन प्राप्त याई।

७। प्रार्टित त्वाद्या क्रायाया प्रकार दिन दिन प्रित्र त्मिर हिस्स देशन

प्राप्त कार्य प्राप्त व्यान प्राप्त व्यान प्राप्त कार्य कार्य

- ত। মার্চের প্রপান্তের কর্মেক মিটার ন্মা এক লাছ দড়ি সোজা করে বিছুরে। দড়ির ছুই প্রান্তে দুইজন এবং দড়ির ঠিক মাঝখানে একজন দোঁড়াই। এখন একজন একজন করে প্রথম জনের কাছ থেকে যাতা ক্রুক করে একই তাবে ইেটে দড়ির অপর প্রান্তে দিতীয় জনের নিকট পোঁছাই। তাকে কেবন্দ স্পর্ক করে না থেমে আবার প্রথমজনের কাছে যাই। না থেমে উর্মাপ ক্রেকবার করি।

# अवक्षाः

১। দেনগত কাজে ভাড়া হুড়ো না করে ধীর মুর্ভাবে ক্রিঞ্জে বা দেনবে ভার নিয়ম মেনে কাত ক্রতে হবে।

### FIGURE NO.: THAMISAGE HT TO AMAN

EXPT. NO.:

PAGE NO .:

DATE:

श हिर्मिण्यात्र स्वर्म स्वर्धित्याः व्ययनस्त यण्डा व्यव

# क्लारेल उ व्यक्ति।हताः

- ১। ধারা-2 ও উন্মিখিত গতিতি হলো রিখিক গতি, কারণ এক্রের अिंहि किन परारि महन्द्रिश उद्गायर । ७ अण्डि रिकिन्धेयुत्ना श्लाः i. 19 प्रिक स्ट्रिश्च एकि सदल्दिश्च रिप्रव सीयावद्व शादक। ii. ए आविए कविकान पुन्त ए मद्देश माधान इसे।
- २। आग्रा—१ ए केन्निधिए जिं इत्या मुखारण जिं जिये अर्थाम् उ अणि। काइन एतमा एक निकल्म अभारे र्डिमध्य प्रस् एकिक्र करित एवर अिल्रिश्व व्यक्तिना विक्रक निर्मिष्ट समस भक्रमत पुरुष किया १८७ अविक्रम महन।
- ७। द्वारा-० ५ एमिरिए मार्व इत्ना मराइड मिर ७ यन्त्र भाव। कार्व परक्रिए अण्मिर्य ह्यालाता विन्द्र विदिन् यथ्य अरंभर तकई रिक इटि अविक्रं करी रहा प्राट अवित दिक निरिद्धे यर्य अद्रल विल्की व्यूषी इया । १ अवित विलिक्षी ज्ञाना निम्न निः i. u siogo निर्धिक स्वरूप क्षिक उस दिया पित्र हिला हिक अवन्त्र পরিমাণ মময় ইরে এটি তার বিপ্রতি দিবে চলে।
  - ii. अर्याग्रकार्न्य सम्प्रमान समस्य यम जात्र शिक्तिरात स्परिकारमा বিন্তুকে দুইকার অভিক্রম করে।
- 8। एष्ट्र ग्रायमातियं याध्या आश्व विहिन्न भिण रहना हिलिया भिल, পর্যাত্ত গতি, তুতাবলর প্রতি, ক্রান্ন গতি।

हिश्चिक भिक्त भर्मा इक २६० भारद, जायाद ना ७ २६० भारद। र्अवगर भिष्ठ सुरुम ना रतन अयोर्ड अठि रूम ना। ज्य लिभान ভাগ ৰঙীয় গতিই সমাৰ্ভ। শসন্মন গতি সৰ্বদা পৰ্যাৰ্ভ গতি হয়।



NAME OF THE EXPERIMENT: : TRAMINAGE AND AMAIN		
EXPT. NO. :	PAGE NO.:	DATE:
ত্ব সকল পর্যাবৃত্ত পতি বৃত্তাবলর বা সকনেন পতি বৃত্তালার পারে। ইতাকার পতি ও স্পন্ন সতির পাহাবি এই যে, ইতালার পতি একটি বৃত্তাকার বরাবর হুয় এবং স্পন্ন পতি ও কটি সরন্বেশ্ব ব্রাবর হুয়।		
	2	